मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 37 ■ सोमवार 13 अप्रैल 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
प्रियंका चोपड़ा ने गोल्डन टेंपल में माथा टेका

अगले साल में भिवंडी में दौड़ेगी मेट्रो

■ ठाणे-भिवंडी 'मेट्रो लाइन 5' ने पकड़ी रफ्तार

ठाणे. दहिसर-काशीगांव मेट्रो के बाद ठाणे शहर में चलने वाली एक और मेट्रो के काम ने रफ्तार पकड़ ली है। ठाणे और भिवंडी के बीच मेट्रो लाइन 5 (ऑरेंज लाइन) का काम कई सालों से चल रहा था। आखिरकार इस मेट्रो के लिए नई डेडलाइन दे दी गई है। इस डेडलाइन के मुताबिक, ठाणे-भिवंडी मेट्रो दिसंबर तक पूरी होने और जनवरी 2027 तक यात्रियों के लिए खुलने की संभावना है।

दहिसर-काशीगांव मेट्रो का उद्घाटन कुछ दिन पहले ही हुआ है। यह ठाणे शहर और हार्बर लाइन से चलने वाली पहली मेट्रो है। मेट्रो को पहले दिन से ही यात्रियों का भारी रिस्पॉन्स मिला। शाम को काशीगांव मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों की लाइनें लग गईं। इससे साफ पता चला कि ठाणे शहर में मेट्रो की कितनी जरूरत है। अभी ठाणे से भिवंडी जाने वालों को बसों का इस्तेमाल करना पड़ता है। ये बसें कभी-कभी आधे घंटे की देरी से आती हैं, जिससे यात्रियों को बहुत परेशानी होती है। साथ ही, शाम को ट्रैफिक जाम के कारण यात्रियों को घंटों बसों में बिताना पड़ता है। वहीं, ट्रेन से जाने के लिए यात्रियों को दिवा रेलवे स्टेशन से MEMU ट्रेन से यात्रा करनी पड़ती है। इन ट्रेनों की संख्या भी कम है। इसलिए, पिछले कई सालों से नागरिक ठाणे-भिवंडी मेट्रो की सीधी मांग कर रहे हैं।

ठाणे समेत मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए भिवंडी से कोई सीधी ट्रेन सर्विस नहीं है। इसलिए, यात्रियों को मुंबई जाने के लिए हर दिन ठाणे और कल्याण होते हुए बस से यात्रा करनी पड़ती है। मेट्रो लाइन 5 के शुरू होते ही भिवंडी के लोगों को राहत मिलेगी और यात्रा का समय कम हो जाएगा।

रूट कैसा होगा?

मेट्रो लाइन 5, ठाणे-भिवंडी-कल्याण को जोड़ने वाली 25 km लंबी लाइन होगी। पहले फेज में ठाणे-भिवंडी लाइन का काम पूरा किया जाएगा और यह काम अभी चल रहा है। BJP MLA महेश चौघुले द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस मेट्रो के लिए ग्राउंडवर्क और सभी टेक्निकल काम अभी फाइनल स्टेज में हैं। गुरुवार को भिवंडी मनपा, MMRDA और मेट्रो अधिकारियों ने इन कामों का इंस्पेक्शन किया। उस समय उन्होंने बताया कि यह काम दिसंबर 2026 तक पूरा हो जाएगा।

2017 में मंज़ूरी मिली

MMRDA ने 2017 में मेट्रो लाइन 5 प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी थी। उसके बाद, 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और असल में 2020 में कंस्ट्रक्शन शुरू हुआ। लेकिन अब, 6 साल बीत जाने के बाद भी, यात्री नाराज़ हैं क्योंकि काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। लेकिन अब, हालांकि पहले फ़ेज़ का काम जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है, लेकिन कल्याण तक दूसरे फ़ेज़ का काम अभी तक शुरू भी नहीं हुआ है। इसलिए, पूरी मेट्रो लाइन 5 के शुरू होने के लिए लोगों को कुछ और साल इंतज़ार करना होगा।

तत्काल बेघरों के रहने की जगह का इंतज़ाम करें!

■ बेघर हुए प्रभावितों के लिए श्रीकांत शिंदे की पहल

उल्हासनगर. कुछ दिन पहले, उल्हासनगर और अंबरनाथ के बॉर्डर पर पुराने शिव मंदिर इलाके में बिना इजाज़त के बने ढांचों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। उस समय की गई इस कार्रवाई की वजह से, वहां 25 से 30 साल से रह रहे 31 घरों के लोगों को कुछ दिनों के लिए खुले में रहना पड़ा था। अब इस मामले में MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने प्रशासन को तुरंत कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि पुनर्वास की ज़िम्मेदारी प्रशासन की है, लेकिन लोगों को बेघर रखना बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्य अधिकारियों को तुरंत दूसरे रहने की जगह का इंतज़ाम करने को कहा है। शिव मंदिर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के नाम पर वहां तीन दशकों से रह रहे लोगों को हटाने की कोशिशों का जहां विरोध हो रहा है, वहीं MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के दखल से अब इस मामले में एक अहम मोड़ आने के संकेत मिले हैं। MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने सीधे तौर पर प्रशासन को चेतावनी दी है कि वे एक भी प्रभावित परिवार को बेघर नहीं होने देंगे। यह डेवलपमेंट प्रोजेक्ट 100 परसेंट सरकारी फंड से चल रहा है, और प्रशासन इसे तेज़ी से लागू करने की कोशिश कर रहा है। चूंकि नागरिकों के पुनर्वास को प्राथमिकता देकर प्रोजेक्ट को शुरू करने की कोशिश की जाएगी, इसलिए अब सबका ध्यान इस बात पर है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर कोई ठोस हल निकलता है या नहीं।

ज़िम्मेदारी को लेकर कन्फ्यूजन

ऐसा देखा जा रहा है कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल के बीच ज़िम्मेदारी को लेकर कन्फ्यूजन है। अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल के चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ ने कहा कि संबंधित नागरिक उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इसलिए, उनकी एलिजिबिलिटी वेरिफाई करके ऑफिशियल लिस्ट जारी करना उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ज़िम्मेदारी है। वह लिस्ट मिलने के बाद ही पुनर्वास का प्रोसेस शुरू किया जा सकता है।

उल्हासनगर में खुलेआम पेड़ों की कटाई

■ तहसील ऑफिस के सामने दो पुराने पेड़ काटे गए

उल्हासनगर. शहर में पहले से ही ग्रीन बेल्ट की कमी है, वहीं अब घनी आबादी वाले इलाकों में गैर-कानूनी तरीके से पुराने पेड़ों को काटने का मामला प्रकाश में आया है. पता चला है कि कैंप नंबर 5 में तहसील ऑफिस के सामने खुली जगह में दो पुराने पेड़ काटे गए। असिस्टेंट कमिश्नर अलका पवार ने बताया कि इन पेड़ों को काटने की परमिशन मनपा प्रभाग समिति ने दी थी। उल्हासनगर कैंप नंबर 5 में तहसील ऑफिस जैसे बिज़ी इलाके में एक प्राइवेट खुली जगह में दो पुराने पेड़ थे। पिछले कुछ दिनों से ये पेड़ काटे जा रहे थे। शहर में पेड़ों की संख्या पहले से ही कम होने के बावजूद इस तरह से नेचर को नुकसान पहुंचाने पर पर्यावरणवादियों ने कड़ी नाराज़गी जताई है।

शहर के पर्यावरण की हालत चिंताजनक है। सिर्फ़ 13 स्क्वायर किलोमीटर के एरिया में 9 लाख से ज़्यादा की आबादी वाले इस शहर में पेड़ों की संख्या बहुत कम है। शहर में कोई रिज़र्व्ड फ़ॉरेस्ट एरिया या बड़े पार्क न होने की वजह से सड़क किनारे लगे पेड़ ही ऑक्सीजन का मेन सोर्स हैं। पिछले कुछ महीनों में शहर में बिना इजाज़त पेड़ काटने की शिकायतों में बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी हुई है।

कैंप नंबर 5 में कुर्ला कैंप और कैलाश कॉलोनी के बीच सड़क पर कई पेड़ अचानक सूखने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने शक जताया है कि क्या ये पेड़ नैचुरली सूख रहे हैं या इन्हें केमिकल लगाकर मारा जा रहा है। अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि अगर इन पेड़ों की जांच की जाए तो एक बड़े रैकेट का पर्दाफ़ाश होगा।

प्रभाग समिति 4 की असिस्टेंट कमिश्नर अलका पवार से इस पेड़ की कटाई के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि यह पेड़ पड़ोसी के घर के लिए खतरा बन गया था। इसलिए पेड़ों को काटने की परमिशन दी गई थी।

2.5 लाख रुपये की हेरोइन जब्त

नई मुंबई. उरण पुलिस ने ड्रग्स बेचने वालों और इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ एक खास कैंपेन शुरू किया है, इसी बीच, पुलिस ने जसाई में एक पार्किंग एरिया में छापा मारकर ड्रग्स बेच रहे एक युवक और तीन इस्तेमाल करने वालों को गिरफ्तार किया है. इस ऑपरेशन में पुलिस ने 2 लाख 52 हजार 800 रुपये की हेरोइन जैसी ड्रग्स ज़ब्त की हैं. पुलिस को जानकारी मिली थी कि जसाई में शीतल ट्रांसपोर्ट पार्किंग लॉट के पीछे एक बैंगनी पेड़ के नीचे कुछ युवक शक के घेरे में ड्रग्स ले रहे हैं. इसके आधार पर, उरण पुलिस ने शुक्रवार दोपहर उस जगह पर छापा मारा. रवींद्र कल्याण शेट्टी (उम्र 27), गणेश दत्तू भिड़े (25) और गणेश विनय पाटिल (19) सभी ड्रग्स लेते हुए पाए गए. जब पुलिस ने उनकी तलाशी ली, तो गणेश के पास से 6.32 ग्राम हल्के भूरे रंग के पाउडर के 85 पैकेट मिले.

शातिर दोपहिया वाहन चोर पुलिस की गिरफ्त में

■ 3.55 लाख रुपये कीमत के 10 दोपहिया वाहन जब्त
■ 8 अपराध सुलझाए
■ आरोपी उल्हासनगर निवासी
■ नाबालिग साथी भिवंडी सुधारगृह भेजा गया

कल्याण. सड़क किनारे, इमारतों के परिसर में और सार्वजनिक जगहों पर खड़े दोपहिया वाहनों की चोरी ने मालिकों और पुलिस को दहशत में डाल दिया था। आखिरकार, कोलसेवाड़ी पुलिस की एक स्पेशल टीम ने बड़ी मुश्किल से उल्हासनगर से शातिर चोर को उसके नाबालिग साथी के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। अब तक इन दोनों द्वारा किए गए 8 अपराधों को सुलझाया गया है और 3 लाख 55 हजार रुपये कीमत के 10 दोपहिया वाहन जब्त किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी का नाम शुभम उर्फ शिवम संपत पठारे (24) है और वह पंजाबी कॉलोनी, उल्हासनगर 3 में गुरुद्वारे के पास एक चॉल में रहता है। उसका साथी भी उल्हासनगर इलाके में रहता है और उसे भिवंडी के बाल सुधार गृह में भेज दिया गया है। कल्याण-डोंबिवली शहर और ग्रामीण इलाकों से टू-व्हीलर चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं।

इसी बैकग्राउंड में, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस अतुल झेंडे और कल्याण के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस कल्याण घेटे ने चोरों को ट्रैक करने का ऑर्डर दिया, जिसके बाद कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर हेमंत गुरव और क्राइम डिटेक्शन ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर गणेश न्हायडे की गाइडेंस में एक स्पेशल टीम बनाई गई।

इस टीम के पुलिस कांस्टेबल सुरेंद्र इंगले को खबरी से जानकारी मिली कि दो लोग विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के सामने रॉयल रेजीडेंसी के पास पार्क किए गए टू-व्हीलर की शक के घेरे में जांच कर रहे हैं। पुलिस ने तुरंत दोनों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ शुरू कर दी।

शुरू में, दोनों के पास से कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन से चोरी हुआ एक स्कूटर ज़ब्त किया गया। सपोनी संदीप भालेराव, पौपानी जगन साप्ते, हवलदार कापड़ी, बोरसे, सांगले, सौंडाने, सांगले, वाघ, घुगे, आव्हाड, जाधव, बुधवंत, फतंगरे और कोटी जैसे सीनियर अधिकारियों ने क्राइम सॉल्व किए हैं, जिनकी उनके सीनियर्स तारीफ कर रहे हैं।

ज़हरीली गैसों से घुट रहा अंबरनाथवासियों का दम

■ अंबरनाथ के लोगों को ज़हरीली गैसों से कब छुटकारा मिलेगा?

अंबरनाथ. केमिकल कंपनियों से ज़हरीली गैसें वातावरण में छोड़ने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ एक्शन कब होगा? यह सवाल अब अंबरनाथ के लोग पूछ रहे हैं। लोग परेशान हैं क्योंकि इन ज़हरीली गैस से उनका दम घुटने लगा है और सांस की दिक्कतें होने लगी हैं।

अंबरनाथ शहर चारों तरफ से MIDC से घिरा हुआ है। भले ही केमिकल फैक्ट्रियां इसमें पॉल्यूशन फैला रही हैं, लेकिन पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, स्थानीय स्वराज्य संस्था, पुलिस या पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव जैसी कोई भी सरकारी एजेंसी इसके खिलाफ कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही है। इसलिए पॉल्यूशन फैलाने वाली केमिकल फैक्ट्रियों को अच्छी राहत मिली हुई है। चूंकि कंपनियों से ज़हरीली गैसें और केमिकल वेस्ट सीधे खुले छोड़े जा रहे हैं, इसलिए शहर के पूर्वी हिस्से के लोगों को सांस की कई तरह की बीमारियां हो रही हैं।

शहर के पश्चिम में मौजूद मोरीवली MIDC में केमिकल कंपनियों से खतरनाक केमिकल्स का ज़हरीला धुआं सीधे खुली हवा में फैल रहा है। लेकिन, इसके बाद भी, संबंधित डिपार्टमेंट इस गंभीर मामले को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं, जिससे अंबरनाथ के लोग परेशान हो रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि स्थानीय MP डॉ. बालाजी किणीकर ने भी कई बार शिकायत की है। लेकिन, इसका कोई खास फायदा होता नहीं दिख रहा है। इसकी वजह से एयर पॉल्यूशन काफी बढ़ गया है। इलाके से यह सवाल उठ रहा है कि अंबरनाथ के लोगों को इस एयर पॉल्यूशन से कब मुक्ति मिलेगी।

कल्याण RTO का शानदार प्रदर्शन

■ सरकारी खजाने में 437.80 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रेवेन्यू जमा

कल्याण. कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस ने इस वित्त वर्ष में शानदार प्रदर्शन किया है। सरकारी खजाने में 437 करोड़ 80 लाख रुपये का रिकॉर्ड रेवेन्यू जमा हुआ है। इस ऑफिस ने वित्त वर्ष 2025-26 में अलग-अलग तरीकों से यह सारा रेवेन्यू इकट्ठा करके शानदार सफलता हासिल की है।

खास बात यह है कि ऑफिस ने सरकार द्वारा तय रेवेन्यू का 100 परसेंट से ज़्यादा इकट्ठा करने में सफलता हासिल की है, सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर आशुतोष बारकुल ने इस बारे में जानकारी दी।

इस ऑफिस को मिले रेवेन्यू का सबसे ज़्यादा हिस्सा गाड़ी रजिस्ट्रेशन से मिला है। साल के दौरान कुल 1,8,125 गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन हुआ है। इसमें 79,557 टू-व्हीलर, 16,826 फोर-व्हीलर, 3,571 ऑटो-रिक्शा, 4,292 माल ढोने वाली गाड़ियां, साथ ही पैसेंजर गाड़ियां और दूसरी गाड़ियां शामिल हैं। पिछले साल के 372.22 करोड़ रुपये के रेवेन्यू के मुकाबले इस साल 437.80 करोड़ रुपये की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस कामयाबी के लिए ऑफिस की हर जगह तारीफ हो रही है।

कल्याण MLA राजेश मोरे को हाई कोर्ट ने दी राहत

■ हारे हुए प्रमोद पाटिल की पिटीशन खारिज की

कल्याण. हाई कोर्ट ने कल्याण (रूरल) सीट से हारे प्रमोद पाटिल (राजू पाटिल) की पिटीशन खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अगर EVM डेटा और VVPAT पर्चियों में गड़बड़ी की ओर इशारा करने वाली इलेक्शन पिटीशन में पूरी वजह बताने वाले ज़रूरी और ठोस फैक्ट्स नहीं हैं, तो इसे खारिज किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि बिना यह बताए कि ऐसी गड़बड़ियों ने रिजल्ट को कैसे प्रभावित किया, लगाए गए आरोप कानून के दायरे में काफी नहीं हैं।

जस्टिस शर्मिला देशमुख अकेले इस मामले की सुनवाई कर रही थीं। 20 नवंबर, 2024 को हुए असेंबली इलेक्शन में कल्याण रूरल से राजेश मोरे के चुनाव को चुनौती दी गई थी। पिटीशनर ने मांग की थी कि EVM डेटा, VVPAT पर्चियों की दोबारा गिनती की जाए, चुने हुए कैंडिडेट का इलेक्शन कैंसिल किया जाए और उन्हें विनर घोषित किया जाए।

वोटों में बढ़ोतरी का फैक्ट नहीं

क्या पिटीशन में सेक्शन 100 और 101 के तहत ज़रूरी वजहें बताई गई हैं? कोर्ट ने पूछा। फॉर्म 17C और EVM नंबरों के बीच अंतर के बारे में, कोर्ट ने कहा कि पिटीशन में संबंधित नंबरों का साफ तौर पर ज़िक्र नहीं है। सिर्फ़ डॉक्यूमेंट्स अटैच करना, लेकिन उस बारे में कोई बयान न देना, अंतर को साबित नहीं करता है। कोर्ट ने कहा कि पिटीशन में कोई ऐसा फैक्ट पेश नहीं किया गया है जिससे पता चले कि कथित अंतरों की वजह से चुने गए कैंडिडेट के वोट बढ़े या पिटीशनर को ज़्यादातर वैलिड वोट मिले, वगैरह।

आरोप काफ़ी नहीं

कोर्ट ने कहा, "जब तक यह नहीं कहा जाता कि कथित अंतरों की वजह से वोट गलत तरीके से लिए गए हैं, तब तक सिर्फ़ EVM या फॉर्म 17C में अंतर का आरोप रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट के सेक्शन 100(1)(d)(3) के तहत तर्क दिखाने के लिए काफ़ी नहीं है।" कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि चुनाव पिटीशन के लिए कानून के नियमों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है और अस्पष्ट या आम आरोपों पर आधारित पिटीशन पर विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए, हाई कोर्ट ने एप्लीकेशन को मंज़ूरी न देने और कारण न बताने पर चुनाव पिटीशन खारिज कर दी।

ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग के आरोप में दो गिरफ्तार

ठाणे. वागले एस्टेट पुलिस ने दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच चल रहे क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग के धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बताया कि ठाणे सिटी पुलिस की प्रॉपर्टी क्राइम ब्रांच की पुलिस टीम ने रेड के दौरान आनंद वासुदेव दियालानी (उम्र 37) और भरत कृष्ण सोनवणे (उम्र 41) को गिरफ्तार किया है और मौके से मोबाइल फोन, टैब और दूसरा सामान जब्त किया है।

प्रॉपर्टी क्राइम सेल को सूचना मिली थी कि ठाणे कमिश्नरेट के तहत वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन के तीन हट नाका इलाके में ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग चल रही है। इसके मुताबिक, उस सेल के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर गोरखनाथ घर्गे की टीम ने 8 अप्रैल की रात को तीन हट नाका के इंटरनेट मॉल में 'द प्रॉपर्टी स्टोर' के ऑफिस पर रेड मारी। वहां, आनंद वासुदेव दियालानी (उम्र 37) और भरत कृष्ण सोनवणे (उम्र 41) एक ऑनलाइन साइट के जरिए क्रिकेट पर बेटिंग करते पाए गए। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच IPL मैच पर बेटिंग चल रही थी। जांच के दौरान, उनके मोबाइल फोन में अलग-अलग बेटिंग वेबसाइट और एक्टिव यूजर ID मिलीं। लगभग 14.99 लाख रुपये के ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड भी मिले। साथ ही, WhatsApp चैट के ज़रिए बेटिंग ID देने के सबूत भी मिले।

इस मामले में, वागले एस्टेट पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया और पुलिस ऑफिसर महेश सावंत की शिकायत के आधार पर, उनके खिलाफ इंडियन पीनल कोड की धारा 318(2), महाराष्ट्र गैंबलिंग एक्ट की धारा 4,5 और ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन एंड रेगुलेशन एक्ट 2025 की धारा 5,9,(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

शिव मंदिर के तालाबों से कछुए गायब

■ कुदरती धरोहर खत्म होने की कगार पर

अंबरनाथ. एक चिंता की बात यह सामने आई है कि अंबरनाथ के पुराने शिव मंदिर इलाके के ऐतिहासिक तालाबों से कछुए गायब हो गए हैं। ये तालाब, जो कभी कछुओं से भरे रहते थे, अब सूखने लगे हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण यह कुदरती धरोहर खत्म होने की कगार पर है। इलाके में वालधुनी नदी के प्रदूषण और बढ़ते शहरीकरण ने तालाबों में पानी के कुदरती सोर्स को सुखा दिया है।

स्थानीय नागरिक यह संभावना जता रहे हैं कि तालाब के पानी के खराब होने और उसमें बढ़े हुए केमिकल एलिमेंट्स के कारण कछुए कहीं और चले गए होंगे, या चोरी की घटनाएं हो रही होंगी। आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के सख्त नियमों के कारण, स्थानीय स्तर पर इन तालाबों के रखरखाव या पानी की सप्लाई पर पाबंदियां हैं। देखा जा रहा है कि इससे यहां के वन्यजीवों पर असर पड़ रहा है। अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल की मेयर तेजश्री करंजुले-पाटिल ने कहा कि अगर आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट सहयोग करे और ज़रूरी परमिशन दे, तो टैंकरों से पानी सप्लाई किया जा सकता है या सामाजिक संगठनों की मदद से इन टैंकों को फिर से चालू किया जा सकता है।

इस बारे में पूछे जाने पर आर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट के एक अधिकारी डॉ. अभिजीत आंबेकर ने कहा कि वे इस बारे में हमारे डिपार्टमेंट से जानकारी लेंगे।

मामूली झगड़े पर खूनी संघर्ष

कल्याण. डोंबिवली में सड़क पर कार पार्क करने की मामूली वजह पर हुआ झगड़ा खूनी संघर्ष में बदल गया। सड़क से हटने को कहने पर गुस्साए तीन लोगों ने कार ड्राइवर और उसके दोस्त पर पत्थरों से हमला कर दिया। विष्णुनगर पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह घटना पश्चिमी डोंबिवली के सत्यवान चौक इलाके में हुई। जब कार ड्राइवर अमित पाटिल अपनी कार में जा रहा था, तो उसने सड़क पर बातें कर रहे तीन लोगों से हटने के लिए कहा। लेकिन, आगे चल रहे युवकों ने उसकी बात अनसुनी कर दी। जैसे ही अमित ने दो-तीन बार हॉर्न बजाया, युवक गुस्सा हो गए।

गुस्से में आकर तीनों लोगों ने अमित पाटिल और उसके दोस्त यश म्हात्रे पर हमला कर दिया। उन्होंने सड़क से पत्थर उठाकर उनकी पिटाई की और कार में भी काफी तोड़फोड़ की। हमले में अमित और यश दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और अभी उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर, विष्णुनगर पुलिस ने जांच शुरू की और तीन लोगों, प्रीतेश उर्फ राम्या म्हात्रे, सचिन म्हात्रे और योगेश सुर्वे को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

हिंसक होती प्रवृत्ति उजागर

बिहार के अररिया जिले में गुरुवार को मामूली कहासुनी के बाद सत्तू विक्रेता द्वारा चाकू से हमला कर एक वाहन चालक की हत्या कर देने और इसके उपरांत आक्रोशित भीड़ द्वारा आरोपी को पीट-पीटकर मार डालने की घटना ने न केवल कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर हिंसक होती प्रवृत्ति को भी फिर से उजागर किया है।

आखिर क्या वजह है कि किसी मामूली बात पर व्यक्ति को जान से मार देने वालों के हाथ जरा भी नहीं कांपते और न ही उनके चेहरे पर कानून का कोई खौफ नजर आता है ! अगर कोई अपराध करता है, तो उसे सजा देने के लिए कानून और न्यायिक प्रक्रिया मौजूद है, भीड़ को यह अधिकार किसने दिया है कि वह सरेआम किसी को पीट-पीटकर मार डाले। इसे अराजकता नहीं तो और क्या कहा जाएगा? इस तरह की घटनाओं से पता चलता है कि हमारे सामाजिक, नैतिक और मानवीय मूल्यों का क्षरण किस स्तर पर पहुंच गया है।

देश भर में इस तरह की खबरें अक्सर आती रहती हैं कि किसी ने मामूली बात पर दूसरे व्यक्ति की हत्या कर दी। ऐसी घटनाओं पर गंभीरता से गौर किया जाए, तो यह बात निकलकर सामने आती है कि जिस विवाद पर किसी बड़े अपराध को अंजाम दिया गया, उसे धैर्यपूर्वक बातचीत से आसानी से सुलझाया जा सकता था। पुलिस के मुताबिक, अररिया की घटना के पीछे भी विवाद सिर्फ इतना था कि एक व्यक्ति ने अपना वाहन सत्तू बेचने वाले के ठेले के सामने खड़ा कर दिया था।

इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई और सत्तू विक्रेता ने वाहन चालक की हत्या कर उसका सिर काटकर अलग कर दिया। सवाल है कि घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने पहले बीच-बचाव क्यों नहीं किया और जब हत्या कर दी गई, तो वही भीड़ हिंसक कैसे हो गई? इसकी एक वजह सुरक्षा एजेंसियों का लापरवाह रवैया भी है, जिस कारण समाज के एक वर्ग में कानून का कोई भय नहीं है। इस बात पर गौर किए जाने की जरूरत है कि किसी व्यक्ति के भीतर हिंसा और नफरत का भाव इतना गहरा होने का कारण क्या है और उसके स्रोत क्या हैं।

विमर्श

अविश्वास के बीच शांति की तलाश

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच करीब 40 दिन तक जारी लड़ाई को थामने के लिए जो युद्धविराम हुआ, वह बहुत ही नाजुक है। यह आशंका बनी हुई है कि यह कभी भी टूट सकता है। युद्ध विराम की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्ला को निशाना बनाने के लिए एक बड़ा हमला किया, जिसमें करीब दो सौ से अधिक लोग मारे गए। जो युद्ध विराम हुआ, वह कथित तौर पर पाकिस्तान की मध्यस्थता के चलते हुआ।

वह इस मध्यस्थता का श्रेय लेने की कोशिश कर रहा है और अपने को शांति का वाहक भी बता रहा है, लेकिन वह विवादों के घेरे में आया और उपहास का पात्र भी बना। पाकिस्तान के हिसाब से युद्धविराम के दायरे में लेबनान भी था, लेकिन इजरायल ने इससे इनकार किया और अमेरिका ने भी। इससे ईरान भड़क गया और उसने समुद्री मार्ग होर्मुज बंद रखने की चेतावनी दी। पाकिस्तान कुछ भी दावा करे, यह साफ है कि वह मध्यस्थ के स्थान पर संदेश वाहक की भूमिका में था।

यह उस पोस्ट से साबित हुआ, जिसमें लिखा था कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के लिए जारी की जानी वाली पोस्ट। बाद में यह उजागर भी हुआ कि इस पोस्ट को अमेरिका ने तैयार कर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को भेजा था और इसे खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने देखा था। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान न केवल अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा था, बल्कि चीन के भी संपर्क में था।

चूंकि पाकिस्तान की सीमाएं ईरान से लगती हैं, इसलिए वह यह नहीं चाहता था कि इस युद्ध की आंच उस तक आए या फिर उसकी जमीन का इस्तेमाल अमेरिका करे या उसे सऊदी अरब के बचाव में आगे आना पड़े। दोनों ही सूरतों में उसके ईरान से रिश्ते बिगड़ जाते। पाकिस्तान परमाणु हथियार संपन्न देश अवश्य है, पर उसका कूटनीतिक प्रभाव और प्रतिष्ठा इतनी नहीं कि वह ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच कोई सुलह-समझौता करा पाए।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इजरायल के खिलाफ एक आपत्तिजनक पोस्ट की, जिसमें लिखा था कि मैं उम्मीद करता हूं कि जिन लोगों ने यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाने के लिए फलस्तीन जमीन पर कैंसर जैसी विनाशकारी सत्ता (यानी इजरायल) को खड़ा किया, वे नरक में जलें। इजरायल की कड़ी आपत्ति के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को यह पोस्ट डिलीट करनी पड़ी। इस सबके बीच ही पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता हो रही है। पाकिस्तान के लिए संतोष की बात केवल यह है कि जो युद्ध पश्चिम एशिया के साथ उसे भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा था, उसे खत्म करने और किसी समझौते तक पहुंचने के लिए होने वाली बातचीत उसके यहां हो रही है। यदि इस वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच कोई स्थायी समझौता होता है तो उसमें एक बड़ी भूमिका चीन की हो सकती है, क्योंकि उसका ईरान पर अच्छा-खासा प्रभाव है। माना जाता है कि चीन के कहने पर ही ईरान वार्ता के लिए आगे आया। चीन ने अच्छा-खासा निवेश यूएई और खाड़ी के अन्य देशों में किया हुआ है। युद्ध के चलते उसका यह निवेश खतरे में था। इससे चीन चिंतित था और अपने निवेश को सुरक्षित रखने के लिए पर्दे के पीछे से युद्ध विराम के लिए तत्पर था।

फिलहाल इसका आकलन करना कठिन है कि अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर जो हमला किया, उससे उसे हासिल क्या हुआ, क्योंकि ईरान में न तो सत्ता परिवर्तन हुआ और न ही उसकी सेना पस्त पड़ी। उलटे वह इजरायल को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों में हमले करने में जुटा रहा। इससे खाड़ी देश तो संकट में पड़े ही, अमेरिका की भी परेशानी बढ़ी। युद्ध विराम की घोषणा के बाद भी इजरायल लेबनान को इसलिए निशाना बना रहा है, क्योंकि वहां ईरान समर्थित हिजबुल्ला सक्रिय है। वह इजरायल को निशाना बनाता रहता है। पश्चिम एशिया में यहूदियों और मुसलमानों के बीच एक अर्से से बैर व्याप्त है। ईरान तो इजरायल को दुनिया के नक्शे से ही मिटाने की बात करता है। उसके साथ-साथ पाकिस्तान जैसे अनेक इस्लामी देश इजरायल से घृणा करते हैं, लेकिन कई अरब देशों का उसके प्रति रवैया बदला है।

आध्यात्मिक उन्नति निर्भर करती है मन की स्थिरता पर, मानसिक उलझनों और लगावों से मुक्त होने पर।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बाल तस्करी के जाल पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें।

गौरतलब है कि बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है।

हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।

अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं?

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती। सवाल है कि जिन बच्चों को नहीं खोजा जा पाता, वे कहां जाते हैं और उनके साथ क्या होता है।

यह समझना मुश्किल नहीं है कि देश भर में जो बच्चे गायब हो जाते हैं, उन्हें बाल मजदूरी से लेकर यौन शोषण और अपराध की दुनिया के अंतहीन दलदल में झोंक दिया जाता है। एक परिवार अपने बच्चे के लापता होने के बाद किस दंश और दुख से गुजरता है, यह शायद बताने की जरूरत नहीं है। मगर कोई भी समाज और सत्ता बच्चों की तस्करी के मुद्दे को लेकर अगर गंभीर नहीं है, तो यह एक तरह से अपने ही भविष्य की त्रासदी को नजरअंदाज करना है।

पाकिस्तान बनाता है 100 में से 70 फुटबॉल?

दुनिया में इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर फुटबॉल जिस देश में बनते हैं, उसका नाम पाकिस्तान है.

जरा हट के

पाकिस्तान के पूर्वोत्तर में कश्मीरी सीमा से सटे शहर सियालकोट में इन्हें बनाया जाता है. जानकारी के मुताबिक, पूरी दुनिया की दो-तिहाई से ज्यादा यानी 100 में से करीब 70 फुटबॉल इसी शहर के कारखानों में तैयार की जाती हैं. आपको जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान के सियालकोट में बनने वाली करीब 80 प्रतिशत फुटबॉल आज भी हाथ से सिली जाती हैं. यही वजह है कि इन गेंदों की क्वालिटी और मजबूती दुनियाभर में मशहूर है. हाथ से सिलाई करने की प्रक्रिया गेंद को ज्यादा टिकाऊ बनाती है, जिससे वह लंबे समय तक खराब नहीं होती. इसके साथ ही ये गेंदें एयरोडायनेमिक्स के नियमों के अनुसार बेहतर प्रदर्शन करती हैं, यानी हवा में इनकी गति और दिशा ज्यादा

संतुलित रहती है. माना जाता है कि हाथ से सिली गई गेंदें मशीन से बनी गेंदों की तुलना में ज्यादा मजबूत और स्थिर होती हैं. इनमें धागों का तनाव भी बेहतर होता है, जिससे खेल के दौरान गेंद का कंट्रोल और संतुलन बना रहता है. यही कारण है कि इंटरनेशनल स्तर पर भी ऐसी फुटबॉल को काफी पसंद किया जाता है. कतर 2022 फीफा विश्व कप की आधिकारिक गेंद एडिडास अल रिहला भी पाकिस्तान के सियालकोट में ही बना गया था.

अब अगर भारत की बात करें, तो भारत में भी खेल का बाजार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन फुटबॉल बनाने के मामले में अभी पाकिस्तान आगे माना जाता है. हालांकि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में लंबे समय से खटास रही है, लेकिन इसके बावजूद खेल और व्यापार के कुछ क्षेत्रों में दोनों देशों का नाम साथ लिया जाता है. यानी एक तरफ मैदान में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला देखने को मिलता है, तो दूसरी तरफ फुटबॉल बनाने के मामले में पाकिस्तान का दबदबा देखने को मिलता है. तो अगली बार जब आप फुटबॉल मैच देखें, तो याद रखिए कि जिस गेंद से खिलाड़ी खेल रहे हैं, वह शायद पाकिस्तान के सियालकोट में बनी हो.

आम चिया पुडिंग

खाना-खजाना

गर्मी के मौसम में आम की कितनी ही डिशेज खा लें, मन नहीं भरता। इसलिए हम इसकी बेहद हेल्दी डिश लेकर आए हैं, जो स्वाद और स्वास्थ्य दोनों से भरपूर है। हम बात कर रहे हैं, आम चिया पुडिंग की। आप इसे आसानी से घर पर बना सकते हैं और इसे बनाने में बिल्कुल मेहनत नहीं लगती और ज्यादा समय भी नहीं लगेगा। जानें इसे बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री :

- 1 1/2 कप नारियल का दूध
- 2 मध्यम पके आम
- 3 बड़े चम्मच शहद
- 4 बड़े चम्मच चिया बीज
- 1/4 चम्मच दालचीनी
- 2 बड़े चम्मच पिसी हुई बादाम

विधि :

सबसे पहले आमों को धोकर छील लें। फिर इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और मुलायम प्यूरी बना लें।

एक कटोरा लें और उसमें चिया सीड्स को गर्म नारियल के दूध, शहद और थोड़ी सी दालचीनी के साथ मिलाएं। इसे अच्छे से टॉस करके रात भर के लिए भिगो दें।

सुबह इसे बाहर निकालें और ताजा आम की प्यूरी डालकर पकवान तैयार करें और ऊपर से ठंडा नारियल चिया पुडिंग और ताजे आम के टुकड़े और उसके बाद बादाम डालें, परतों को दोहराएं और आनंद लेने के लिए एक घंटे के लिए फ्रिज में रखें।

गगनचुंबी इमारतों में बच्चों की सुरक्षा का रखें ध्यान

एक ऊंची इमारत की बालकनी से गिरने के कारण एक बच्चे की जान को खतरा होने की घटनाएं अक्सर हमें तब बेचैन कर देती हैं जब हम अपने घरों को बच्चों के हिसाब से 'चाइल्ड-प्रूफ' नहीं बनाते हैं. ऊंची इमारतों का फ्लैट कल्चर जितना सुविधाजनक है, छोटे बच्चों के लिए यह उतना ही जोखिम भरा हो सकता है. अगर आपके घर में भी नन्हे बच्चे रहते हैं, तो केवल नजर रखना काफी नहीं है. आपको अपने घर के ढांचे में कुछ ठोस बदलाव करने होंगे. आइए जानते हैं वो जरूरी सेफ्टी टिप्स जो हर माता-पिता को आज ही फॉलो करने चाहिए.

1. ग्रिल्स की ऊंचाई और गैप पर दें ध्यान

अक्सर बालकनी की ग्रिल्स सुंदर दिखने के लिए डिजाइन की जाती हैं, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से वे अधूरी होती हैं. सुनिश्चित करें कि बालकनी की ग्रिल कम से कम 4-5 फीट ऊंची हो. सबसे जरूरी बात-ग्रिल की दो छड़ों के बीच 4 इंच से ज्यादा का अंतर नहीं होना चाहिए, ताकि बच्चा उनके बीच से न निकल सके.

2. बालकनी में 'फर्नीचर' रखने की गलती न करें

कर्नाटक जैसी कई घटनाओं में देखा गया है कि बच्चे बालकनी में रखे गमले, कुर्सी या मेज पर चढ़कर रेलिंग के पार झांकने की कोशिश करते हैं. बालकनी में कभी भी ऐसी कोई चीज न रखें जिस पर चढ़कर बच्चा ऊंचाई तक पहुँच सके.

3. 'सेफ्टी नेट' का इस्तेमाल करें

आजकल बाजार में मजबूत नायलॉन या स्टील के सेफ्टी नेट उपलब्ध हैं. ये पारदर्शी होते हैं, इसलिए आपकी बालकनी का लुक भी खराब नहीं होता और एक मजबूत सुरक्षा कवच भी तैयार हो जाता है. फ्लैट में रहने वालों के लिए यह सबसे सस्ता और टिकाऊ समाधान है.

4. स्लाइडिंग डोर और विंडो लॉक्स

बच्चे बहुत जल्दी दरवाजे खोलना सीख जाते हैं. बालकनी की ओर खुलने वाले स्लाइडिंग गेट्स पर हमेशा 'चाइल्ड लॉक' या 'एक्स्ट्रा लैच' लगवाएं, जो उनकी पहुँच से ऊपर हो. खिड़कियों पर भी 'विंडो रिस्ट्रिक्टर्स' लगवाएं ताकि वे एक निश्चित सीमा से ज्यादा न खुलें.

5. बच्चों को अकेला न छोड़ें

चाहे बच्चा सो रहा हो या खेल रहा हो, उसे बालकनी के पास अकेला कभी न छोड़ें. एक पल की चूक भारी पड़ सकती है. अगर आप काम में व्यस्त हैं, तो सुनिश्चित करें कि बालकनी का दरवाजा मजबूती से बंद हो.

6. ऊंची जगहों का खतरा बताएं

बच्चों को खेल-खेल में समझाएं कि बालकनी के पास जाना या रेलिंग पर चढ़ना खतरनाक है. उन्हें 'ऊंचाई के डर' (Fear of heights) के बारे में आसान भाषा में अच्छी तरह सावधान करें, न कि केवल उन्हें डराएं.

7. पारदर्शी ग्लास रेलिंग से बचें

आजकल ग्लास रेलिंग का बहुत ट्रेंड है, लेकिन बच्चों वाले घर में यह भ्रम पैदा कर सकती है. बच्चा समझ नहीं पाता कि आगे कांच है और वह उससे टकरा सकता है या चढ़ने की कोशिश कर सकता है. अगर ग्लास रेलिंग है, तो उस पर रंगीन स्टिकर लगाएं ताकि बच्चे को बाधा का एहसास हो.

आज का राशिफल

मेष : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

वृषभ : व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन : नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रमाद न करें।

कर्क : व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे।

सिंह : राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें। तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा।

कन्या : व्यापार ठीक चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें।

तुला : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक : प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं।

धनु : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर : आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। धनार्जन होगा।

मीन : नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हार्ट अटैक या कार्डियक अरेस्ट, क्या ज्यादा जानलेवा?

आमतौर पर लोग दिल में उठे दर्द को हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट समझने की गलती कर बैठते हैं. लेकिन वास्तव में दोनों अलग हैं, और सांस लेने में तकलीफ इनसे जुड़ा केवल एक लक्षण है. वैसे तो हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट दोनों ही कंडीशन व्यक्ति के लिए जानलेवा साबित होती है, लेकिन दोनों में अंतर और सर्वाइवल रेट में भी अंतर होता है.

हार्ट अटैक क्या होता है?

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, हार्ट अटैक तब होता है, जब कोई बंद धमनी दिल के किसी हिस्से तक खून पहुंचने से रोक देती है. अगर बंद धमनी को जल्दी से दोबारा नहीं खोला जाता, तो दिल का वह हिस्सा, जिसे आम तौर पर उस धमनी से खून मिलता है, खराब होना शुरू हो जाता है. किसी व्यक्ति को जितनी ज्यादा देर तक इलाज नहीं मिलता, नुकसान उतना ही ज्यादा होता है.

हार्ट अटैक के लक्षण तुरंत और तेज हो सकते हैं, या धीरे-धीरे हल्के

लक्षणों के साथ शुरू हो सकते हैं. यह भी मुमकिन है कि हल्के लक्षण हों, या कोई लक्षण ही न हो, और फिर भी हार्ट अटैक आ जाए. हार्ट अटैक के दौरान आम तौर पर दिल धड़कना बंद नहीं करता, जो मरीजे के सर्वाइवल रेट को बढ़ाता है. महिलाओं में हार्ट अटैक के लक्षण पुरुषों से अलग हो सकते हैं.

कार्डियक अरेस्ट क्या है?

कार्डियक अरेस्ट अचानक होता है और अक्सर बिना किसी चेतावनी के होता है. यह तब होता है जब दिल में बिजली की गड़बड़ी के कारण दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है (अरिथमिया). दिल, दिमाग, फेफड़ों और दूसरे अंगों तक खून पंप नहीं कर पाता है. इससे व्यक्ति बेहोश हो जाता है और उसकी नबज भी बंद हो जाती है. अगर व्यक्ति को कुछ ही मिनटों के अंदर मदद न मिले, तो उसकी मौत हो सकती है.

क्या है ज्यादा जानलेवा?

दिल की ये दोनों स्थितियां आपस में जुड़ी हुई हैं. अचानक कार्डियक अरेस्ट, हार्ट अटैक के बाद या उससे ठीक होने के दौरान हो सकता है. हार्ट अटैक से अचानक कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है. कई हार्ट अटैक के मामलों में तुरंत अचानक कार्डियक अरेस्ट नहीं होता. लेकिन जब अचानक कार्डियक अरेस्ट होता है, तो उसका एक आम कारण हार्ट अटैक ही होता है. इसके साथ ही अगर दोनों की गंभीरता की बात करें तो कार्डियक अरेस्ट ज्यादा जानलेवा साबित होता है.इसके 90 प्रतिशत तक मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं.

जल्दी गल जाती हैं धनिया की पत्तियां

- **फ्रिज में स्टोर करते समय कर लें ये काम**
- **लंबे समय तक रहेगा फ्रेश**

जल्दी गल जाती हैं धनिया की पत्तियां, फ्रिज में स्टोर करते समय कर लें ये 2 काम, लंब समय तक रहेगा फ्रेशधनिया की पत्तियां भारतीय किचन का एक जरूरी हिस्सा हैं, जो खाने के स्वाद और खुशबू को कई गुना बढ़ा देती हैं. लेकिन अक्सर देखा जाता है कि बाजार से लाने के कुछ ही दिनों बाद ये पत्तियां मुरझाने लगती हैं या गल जाती हैं, जिससे इन्हें फेंकना पड़ता है. इसकी सबसे बड़ी वजह गलत तरीके से स्टोर करना है. कई लोग धनिया को सीधे प्लास्टिक बैग में डालकर फ्रिज में रख देते हैं, जिससे उसमें नमी फंस जाती है और पत्तियां जल्दी खराब हो जाती हैं. अगर सही तरीके से स्टोर किया जाए, तो

धनिया लंबे समय तक ताजा और हरा-भरा रह सकता है.

धनिया को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए सबसे पहले उसे अच्छी तरह से चेक करें और खराब या पीली पत्तियों को अलग कर दें. इसके बाद इसे धोकर पूरी तरह सुखाना बेहद जरूरी है, क्योंकि अतिरिक्त पानी ही सड़ने की मुख्य वजह बनता है. जब पत्तियां सूख जाएं, तो इन्हें टिशू पेपर में हल्के से लपेटकर एयरटाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रखें. ऐसा करने से नमी कंट्रोल में रहती है और पत्तियां जल्दी खराब नहीं होतीं. इस छोटे से स्टेप से आप धनिया को कई दिनों तक फ्रेश रख सकते हैं.

टिशू पेपर और एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

- धनिया को स्टोर करने का सबसे आसान और असरदार तरीका है टिशू पेपर का इस्तेमाल. पत्तियों को हल्के गीले टिशू में लपेटकर एयरटाइट कंटेनर में रखें. यह तरीका एक्स्ट्रा नमी को सोख लेता है और पत्तियों को सूखने से भी बचाता है. ध्यान रखें कि टिशू ज्यादा गीला न हो, वरना पत्तियां खराब हो सकती हैं. इस ट्रिक से धनिया 7-10 दिन तक फ्रेश बना रह सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मौत के मुंह से बेटे को खींच लाए मां-बाप, तेंदुए से भिड़ गए; गांव में दहशत

मुरादाबाद. मुरादाबाद से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां दरियापुर गांव में शनिवार शाम तेंदुए ने तीन साल के मासूम पर हमला कर उसे अपने जबड़े में दबोच लिया। तेंदुए बच्चे को खींचकर ले जाने ही वाला था कि मौके पर मौजूद माता-पिता तेंदुए से भिड़ गए और मौत के जबड़े से बच्चे को खींच लिया। दरियापुर के रहने वाले सुनील कुमार शनिवार शाम करीब 6:30 बजे अपनी पत्नी विमलेश कुमारी और तीन वर्षीय बेटे हर्ष के साथ खेत पर थे। इसी दौरान गन्ने के खेत में घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक हर्ष पर झपट्टा मार दिया। तेंदुए के हमले से बच्चा बुरी तरह चीख पड़ा। इससे पहले कि तेंदुआ बच्चे को लेकर जंगल में ओझल होता, विमलेश और सुनील हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाकर तेंदुए पर टूट पड़े। इस पर तेंदुआ बच्चे को लहूलुहान छोड़कर गन्ने के खेतों में भाग निकला।

लव ट्रैप में फंसा सिपाही, युवती ने रेप का आरोप लगाकर कराया धर्म परिवर्तन, फिर जबरन की शादी

बागपत. बागपत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां दिल्ली की रहने वाली एक महिला ने खेकड़ा कोतवाली में तैनात सिपाही पर दबाव बनाकर उसका धर्म परिवर्तन कराया और उससे निकाह कर लिया। खेकड़ा कोतवाली पर शनिवार को डायल-112 पर तैनात पुलिसकर्मी श्रीकांत ने मुकदमा दर्ज कराया। श्रीकांत ने बताया कि 2012 में वह गाजियाबाद में तैनात था। इसी दौरान दिल्ली की रहने वाली हिना नामक महिला उसके संपर्क आई। कुछ दिन दोस्त के रूप में साथ रहने के बाद हिना ने श्रीकांत पर धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाया। श्रीकांत ने मना किया तो महिला ने दबाव बनाने के लिए उस पर दुष्कर्म का आरोप लगा दिया। ऐसे में सिपाही के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी शुरू हो गई। ऐसे में मजबूरन उसे धर्म परिवर्तन कर हिना से निकाह करना पड़ा। श्रीकांत का आरोप है कि हिना लगातार उसे ब्लैकमेल कर रही है। कोतवाली प्रभारी प्रभाकर कैंतूरा का कहना है कि आरोपी महिला दिल्ली की रहने वाली है। मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

मिर्जापुर में वकील की हत्या करने वाले बदमाश का हाफ एनकाउंटर; दोनों पैर में लगी गोली

मिर्जापुर. मिर्जापुर के कटरा कोतवाली क्षेत्र के सद्भावना नगर मोहल्ले में शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक से लौट रहे 40 वर्षीय अधिवक्ता राजीव उर्फ रिंकू सिंह की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। थी। स्थानीय लोगों ने बाइक सवार दोनों हमलावरों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे तमंचा लहराते हुए शहर की ओर फरार हो गए। उधर, देर रात पुलिस ने मुख्य आरोपी राजेंद्र सोनकर को मुठभेड़ में हनुमान पड़रा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के दोनों पैर में गोली लगी है। राजेंद्र पर 50 हजार का इनाम है।

इंजीनियरिंग छात्र की खुदकुशी में 4 साल बाद दो फंसे, लड़की के कारण हुई थी मारपीट

आगरा. यूपी के आगरा में बीटेक छात्र धनंजय तिवारी की खुदकुशी के मामले में चार साल बाद नया मोड़ आया है। पुलिस ने खुदकुशी को दुष्प्रेरित करने के आरोप में जिन्हें क्लीनचिट दी थी कोर्ट ने उन्हें आरोपित मानते हुए तलब किया है। बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए पिछले चार साल से उसके पिता जंग लड़ रहे थे। पुलिस ने पहली चार्जशीट में सुसाइड नोट का उल्लेख तक नहीं किया था। मामूली मारपीट की धारा में चार्जशीट लगा दी थी। कई बार विवेचना हुई। विवेचक पुरानी चार्जशीट का समर्थन करते रहे। जब किसी ने न सुनी तो कोर्ट ने प्रगति आख्या मांगी।

खामोश हुई सुरों की जादुई आवाज!

दिग्गज गायिका आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

आज भारतीय संगीत जगत के लिए एक ऐसा दिन है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। महान पार्श्व गायिका आशा भोसले, जिन्हें प्यार से सब 'आशा ताई' बुलाते थे, अब हमारे बीच नहीं रहीं। 92 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अपनी अंतिम सांस ली। उनके जाने से सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि एक पूरा दौर खत्म हो गया है। उनके गाने, उनकी आवाज और उनकी अदायगी आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा एक मिसाल बने रहेंगे।

■ **अस्पताल में ली आखिरी सांस**

जानकारी के मुताबिक, आशा भोसले को शनिवार को दिल और सांस से जुड़ी दिक्कतों के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह पिछले कुछ महीनों से ठीक नहीं थीं और गंभीर हालत में अस्पताल लाई गई थीं। उन्हें ICU में रखा गया था, जहां उन्होंने आखिरी सांस ली।रविवार दोपहर उनके बेटे आनंद ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। कल यानी सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

■ **हर तरह के गानों में बिखेरा जादू**

शुरुआत में उन्हें कैबरे या डांस नंबर तक सीमित कर दिया गया था, लेकिन उन्होंने खुद को उस दायरे से बाहर निकाला। 'उमराव जान' जैसी फिल्मों में उन्होंने गजल गाकर अपनी अलग पहचान बनाई। वह 7 बार फिल्मफेयर अवॉर्ड और 2 बार नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी हैं, 'दिल चीज क्या है' और 'मेरा कुछ सामान' जैसे गानों के लिए।

■ **आज के गानों पर क्या थी उनकी राय?**

अपनी बेबाकी के लिए जानी जाने वाली आशा जी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह आज के फिल्मी गाने सुनना पसंद नहीं करतीं। उनका मानना था कि आज के गानों में

शब्दों की वो गहराई नहीं बची। वह खुद को रियाज में रखने के लिए भीमसेन जोशी जैसे शास्त्रीय गायकों और गजलों को सुना करती थीं। हालांकि, उन्होंने राहत फतेह अली खान और सुनिधि चौहान जैसे कुछ कलाकारों की तारीफ जरूर की थी।

■ **कैसी थी आशा ताई की निजी जिंदगी**

आशा ताई की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने परिवार के खिलाफ जाकर गणपतराव भोसले से शादी की, लेकिन ससुराल में प्रताड़ना मिलने के कारण 1960 में वे अलग हो गईं। इसके बाद उन्होंने 1980 में मशहूर संगीतकार आरडी बर्मन से शादी की, जो उनसे 6 साल छोटे थे। आरडी बर्मन का निधन 1994 में हो गया।

■ **परिवार के साथ बिताया आखिरी वक्त**

अपने अंतिम वर्षों में आशा भोसले अपने परिवार के साथ समय बिता रही थीं। उनकी पोती जनाई भोसले, जो खुद भी एक सिंगर हैं, उनके साथ अक्सर नजर आती थीं और उनके काफी करीब थीं।

■ **12,000 से ज्यादा गाने गाए**

आशा भोसले ने 12,000 से ज्यादा गाने गाए और कई पीढ़ियों को अपनी आवाज दी। मीना कुमारी से लेकर काजोल तक, हर दौर की अभिनेत्री के लिए उन्होंने गाया। उनकी आवाज सिर्फ गानों में नहीं, बल्कि लोगों की यादों में हमेशा जिंदा रहेगी।

आज भले ही आशा भोसले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके गाने हमेशा हमारे साथ रहेंगे। हर खुशी, हर याद और हर एहसास में उनकी आवाज गूंजती रहेगी। यही उनकी असली विरासत है।

9 साल की उम्र से शुरू हुआ था सुरों का सफर

आशा भोसले का जन्म 1933 में प्रसिद्ध मंगेशकर परिवार में हुआ था। घर में संगीत का माहौल था, इसलिए मात्र 9 साल की उम्र से ही उन्होंने पेशेवर तरीके से गाना शुरू कर दिया था। अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर की छाया से निकलकर अपनी अलग पहचान बनाना आसान नहीं था, लेकिन आशा ताई ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दुनिया को हैरान कर दिया। 1943 में उन्होंने अपना पहला फिल्मी गीत रिकॉर्ड किया और 1950 के दशक तक बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना ली। आने वाले तीन दशकों में वह लगभग हर बड़े संगीतकार की पहली पसंद बन गईं।

ईरान-अमेरिका की 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा

■ **अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- उन्हें फाइनल ऑफर दिया**

■ **ईरान बोला- ट्रम्प की शर्तें ज्यादा सख्त**

इस्लामाबाद. पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है।

वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस

की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना।

वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, "हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं। अब देखना है कि ईरान इसे मानता है या नहीं।"

वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका की शर्तें जरूरत से ज्यादा सख्त थीं। इस वजह से समझौते का रास्ता नहीं निकल पाया।

एक्सपर्ट बोले- पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई

- अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत के नतीजे से पाकिस्तान निराश जरूर है, लेकिन वह कोशिशें जारी रखेगा। यह बात विदेश नीति से जुड़े थिंक टैंक के प्रमुख कमर चीमा ने कही।
- उन्होंने कहा कि यह बातचीत पिछले 10 सालों में दोनों देशों के बीच कूटनीति की सबसे गंभीर कोशिशों में से एक थी। बातचीत के दौरान ईरान को एक अंतिम प्रस्ताव दिया गया है, जिस पर अब ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपनी टॉप लीडरशिप की राय लेगा।
- कमर चीमा के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस पूरी प्रोसेस में अपनी भूमिका अच्छी तरह निभाई। पाकिस्तान का काम दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाना, उनके बीच की दूरी कम करना और भरोसा दोबारा बनाना था, जिसे उसने सफलतापूर्वक किया।
- उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की इस कोशिश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिल रही है।

बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे बादशाह सिंह का राजनीति से संन्यास

पिछले चार दशक से हमीरपुर जिले की राजनीति में सक्रिय पूर्व कैबिनेट मंत्री और मौदहा विधानसभा सीट से चार बार के विधायक रहे कुंवर बादशाह सिंह ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बादशाह सिंह हमीरपुर सीट जिताने में अखिलेश की मदद भी की थी। शनिवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर उन्होंने इसकी जानकारी सार्वजनिक की। बादशाह सिंह के राजनीतिक सफर की शुरुआत कांग्रेस के यूथ अध्यक्ष से हुई थी। एक बार वह खरेला नगर पंचायत (महोबा) के चेयरमैन भी बने।

वृंदावन हादसा-11 श्रद्धालुओं की मौत, 5 लापता

■ **यमुना से बेटे की लाश निकली तो बुजुर्ग पिता फफक पड़े**

मथुरा. मथुरा के वृंदावन में नाव हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। अब तक 22 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। 30 घंटे से ज्यादा बीत जाने के बाद भी 5 लोग लापता हैं। रविवार को तीसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। आर्मी समेत 250 लोगों की टीम ऑपरेशन में लगी हुई है। जांच का दायरा 14 से बढ़ाकर 20 किमी. कर दिया गया है।

इससे पहले शनिवार को एक शव देवरहा बाबा घाट के पास से बरामद किया गया। बेटे की लाश

देखकर बुजुर्ग पिता फफक पड़े। युवक की 6 महीने पहले सगाई हुई थी। 12 सितंबर को शादी होनी थी।

पुलिस ने आरोपी नाविक पप्पू निषाद और ठेकेदार नारायण शर्मा को जेल भेज दिया है। हादसे के 6 घंटे बाद यानी शुक्रवार रात 9 बजे उसे हिरासत में लिया गया था। उसी ने अपनी नाव में श्रद्धालुओं को जुगल घाट से बैठाया था। हादसे के बाद वह फरार हो गया था।

बाकी लापता अब तक क्यों नहीं मिल पाए? इस सवाल पर रेस्क्यू में जुटे अफसर ने बताया कि यमुना का बहाव तेज है, इसलिए लोग बहकर दूर जा सकते हैं। नदी में गाद (कीचड़) और रेत में शव दबे हो सकते हैं, जो खुद फूलकर ऊपर आ सकते हैं।

हादसा शुक्रवार दोपहर 3 बजे केसी घाट पर हुआ, जहां 38 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट गई थी। घाट बांके बिहारी मंदिर से करीब 2 किमी दूर है। मृतकों में मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा समेत एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं।

जिस जगह हादसा हुआ, वहां 25 फीट गहरा पानी है। शुरुआती जांच में पता चला है कि नाव की क्षमता 40 श्रद्धालुओं की थी। किसी भी श्रद्धालु को नाविक ने लाइफ जैकेट नहीं दी थी। पांटून पुल की रिपेयरिंग कर रहे लोगों और अन्य नाविकों ने कुछ लोगों को बचाया।

देश में करीब ढाई करोड़ यूट्यूब चैनल्स

नई दिल्ली. देश में लगभग 2.5 करोड़ एक्टिव यूट्यूब चैनल्स में से महज 30 लाख ही प्रोफेशनल हैं, बाकी करोड़ों चैनलों में से कई बिना नियमन या कमाई के गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे हैं।

इन्फ्लुएंसर ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक देश में यूट्यूब के हर महीने करीब 50 करोड़ एक्टिव यूजर्स है। अब यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक डॉक्टर, मैकेनिक, जिम ट्रेनर और कानूनी सलाहकार तक बन चुका है। यदि इन चैनलों पर बताई गई किसी सलाह से किसी को नुकसान हो जाए तो न्याय पाने का रास्ता इतना पेचीदा है कि अपराधी साफ बच निकलता है। देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूब की सलाह पर भरोसा करते हैं.

मोदी बोले- TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए

■ **अब 15 साल का हिसाब देना होगा**

कोलकाता. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि चुनाव के बाद बंगाल से TMC का जाना तय है। कल मेरे रोड शो में लोगों ने जो प्यार दिखाया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। आज सिलीगुड़ी की यह जनसभा TMC की नींद उड़ा देगी। PM का रविवार को पश्चिम बंगाल दौरे का दूसरा दिन है। वे सिलीगुड़ी में जनसभा कर रहे थे। मोदी ने दार्जिलिंग की सभी 5 और जलपाईगुड़ी जिले की सभी 7 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों के लिए

वोट मांगे। इस दौरान उन्होंने कहा- TMC ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ दिए, लेकिन यहां के विकास के लिए कुछ नहीं किया। वह सिर्फ अपने खास वोट बैंक के लिए पैसे देती है। आपने TMC के निर्मम शासन काल में इतने सालों में पश्चिम बंगाल की बर्बादी देखी है। उन्हें 15 साल का हिसाब देना होगा। सभा के दौरान पीएम ने CAA (नागरिकता (संशोधन) अधिनियम) का भी जिक्र किया। उन्होंने 'कमल खिलाओ, घुसपैठिया भगाओ' के नारे लगाते हुए कहा कि TMC की सरकार निर्मम है, लेकिन हमने CAA की मदद से आपको वोटिंग की गारंटी दी है। चाय उत्पादकों पर उन्होंने कहा कि असम आपके पड़ोस में है और वहां की भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर महत्वपूर्ण काम किया गया है.

संजू आईपीएल में 400 सिक्स लगाने वाले चौथे भारतीय

■ **इस सीजन का पहला शतक लगाया**

■ **सरफराज का डाइविंग कैच**

चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 23 रन से हराया। चेपॉक स्टेडियम में संजू सैमसन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में एंट्री ली। वे टी-20 में 400 सिक्स पूरे करने वाले चौथे भारतीय बने। उन्होंने इस सीजन का पहला शतक जड़ा। फील्डिंग में सरफराज खान ने डाइविंग कैच लेकर अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा।

संजू ने IPL करियर का चौथा शतक लगाया

18वें ओवर की पांचवीं गेंद पर संजू सैमसन ने चौका लगाकर शतक पूरा किया। यह इस सीजन का पहला और IPL में उनका चौथा शतक रहा। दिल्ली के खिलाफ चेन्नई में किसी CSK बल्लेबाज का यह दूसरा शतक है। इससे पहले मुरली विजय ने 2012 के क्वालिफायर में इसी मैदान पर 113 रन बनाए थे।

संजू के नाम 401 सिक्स

संजू सैमसन ने टी-20 में 400 सिक्स पूरे किए। वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बने। उनसे पहले रोहित शर्मा (554), विराट कोहली (441) और सूर्यकुमार यादव (442) इस मुकाम तक पहुंच चुके हैं।

आयुष IPL में रिटायर आउट होने वाले छठे खिलाड़ी

आयुष IPL में रिटायर आउट होने वाले छठे खिलाड़ी बने। उनसे पहले रविचंद्रन अश्विन (2022), अथर्व तायडे (2023), साई सुदर्शन (2023), तिलक वर्मा (2025) और डेवोन कॉनवे (2025) भी इस तरह आउट हो चुके हैं।

17वें ओवर की तीसरी गेंद पर आयुष म्हात्रे 59 रन बनाकर रिटायर आउट हुए। उनकी जगह शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए आए।

आयुष की तीसरी IPL फिफ्टी

आयुष 19 साल की उम्र से पहले IPL में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले दूसरे प्लेयर बने। उन्होंने 15वें ओवर की पहली गेंद पर सिक्स लगाकर तीसरी IPL फिफ्टी पूरी की। इस मामले में वैभव सूर्यवंशी 4 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं।

बस ने पिकअप को उड़ाया,13 मौतें

■ **कटिहार में सड़क पर बिखरीं लाशें**

■ **बाइक सवार को रौंदकर भाग रहा था बस ड्राइवर**

कटिहार. बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं। इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में NH-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए।

चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी

थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई।

पिकअप सवार सभी झारखंड से मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद CM ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया है।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'शनिवार देर शाम हम कटिहार के आसपास थे। अचानक से तेज आवाज आई, जैसे बम फटा हो। कुछ भी समझ नहीं आया। सड़क पर लाशें बिछ गईं।

हमारे पिकअप का ड्राइवर स्टीयरिंग में फंस गया। लोगों ने रॉड से स्टीयरिंग सीधी कर उसके शव को बाहर निकाला। बस की स्पीड 100 से ज्यादा थी।

उसने पहले 2 बाइक सवारों को टक्कर मारी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद अनियंत्रित होकर हमारी पिकअप से टकरा गया।

BJP ने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया

■ **16-18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहना होगा**

■ **महिला आरक्षण के लिए विशेष सत्र**

नई दिल्ली. BJP ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा।

इससे पहल रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए।

पीमए मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

'हिंदू समाज में एकता की कमी, ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह'

■ **हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए RSS बनाया था**

निजामाबाद. राष्ट्रीय स्वयं सेवक (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से RSS की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके

मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी।

भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

हिंदुत्व का मतलब दूसरों के साथ मिलकर रहना, अपने रास्ते पर चलना और बाकी लोगों का सम्मान करना है। RSS की प्रार्थना भी इन्हीं गुणों को दिखाती है और शाखा में आने वालों में यही संस्कार विकसित होते हैं।

हेडगेवार हिंदुओं को मजबूत, निडर और अच्छा इंसान बनाने के पक्ष में थे। हेडगेवार का मानना था कि अगर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो देश को बार-बार आजादी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा।

RSS की स्थापना किसी के खिलाफ नहीं हुई थी। इसे किसी पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी मातृभूमि को गुलामी से मुक्त कराने के लिए शुरू किया गया था।

संक्षेप...

ठाणे में देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई

ठाणे. शहर पुलिस की ह्यूमन सेल ने एक होटल में देह व्यापार चलाने वाली एक महिला ब्रोकर को गिरफ्तार किया है। टीम ने उस महिला दलाल के चंगुल से दो पीड़ित लड़कियों को बचाने में कामयाबी हासिल की है।ह्यूमन सेल की सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर वैशाली गोर्डे को गोपनीय जानकारी मिली थी कि कलवा इलाके में रेती बंदर सर्कल के पास होटल अमित गार्डन में प्रॉस्टिट्यूशन के लिए दो लड़कियों को लाया जाएगा। 10 अप्रैल, को जाल बिछाकर यह कार्रवाई की गई। इस संबंध में कलवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और महिला दलाल को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने उसे 13 अप्रैल तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है और बचाई गई दो पीड़ित लड़कियों को उल्हासनगर-5 के शांतिसदन सिक्योरिटी होम में रखा गया है।

यूपी-बिहार से आनेवालों के लिए सस्ते किराए पर घर देगी सरकार

मुंबई. मुंबई में बाहर से नौकरी या व्यवसाय के लिए आने वाले लोगों को सरकार सस्ते दर पर किराए का घर उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस निर्देश दिया है कि सस्ते किराए के घरों के लिए एक अच्छा सिस्टम बनाया जाए और उसे लागू किया जाए। सीएम ने लोगों की सुविधा के लिए इससे संबंधित एक पोर्टल बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को इस संबंध में हुई बैठक में कहा कि नौकरी और व्यवसाय के लिए मुंबई और दूसरे मेट्रोपॉलिटन शहरों में आने वाले नागरिकों के लिए सस्ते किराए के घर होने चाहिए।

सह्याद्री स्टेट गेस्ट हाउस में महाराष्ट्र सरकार की रेंटल हाउसिंग पॉलिसी की समीक्षा के लिए बैठक की गई। बैठक में देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के हाउसिंग डिपार्टमेंट को निर्देश दिया कि वे किफायती रेंटल हाउसिंग चाहने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए एक पोर्टल तैयार करें। फडणवीस ने बताया कि बड़ी संख्या में नागरिक नौकरी की तलाश में या अपना कारोबार शुरू करने के लिए बाहर से मुंबई आते हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि आवास की बहुत ज़्यादा ज़रूरत है, इसलिए किफायती रेंटल हाउसिंग के लिए एक सक्षम व्यवस्था बनाई जानी चाहिए और उसे चालू किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मांग के अनुसार आपूर्ति के सिद्धांत पर रेंटल हाउसिंग उपलब्ध कराएं।

यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि मांग और आपूर्ति के अनुसार किराए के घर उपलब्ध हों। यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि घरों की मांग के संबंध में सभी कार्रवाई एग्रीमेंट के अनुसार की जाए। बैठक में हाउसिंग डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी असीम कुमार गुप्ता, मुंबई पुलिस कमिश्नर देवेन भारती, होम डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी अनूप कुमार सिंह, सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

पुलिस उपायुक्त की नियुक्ति

फडणवीस ने कहा कि अगर सिस्टम उपलब्ध किराए के घरों के संबंध में मिलकर कार्रवाई करता है, तो मालिकों और किराएदारों दोनों को कोई समस्या नहीं होगी। महाराष्ट्र रेंट कंट्रोल ऐक्ट, 1999 को लागू करने में मदद के लिए इस ऐक्ट के तहत पुलिस उपायुक्त को नियुक्त किया जाए। सीएम ने कहा कि ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि अगर पुलिस स्टेशन या पुलिस एरिया बढ़ता है तो संबंधित पुलिस अधिकारी अपने आप उसी हिसाब से बढ़ जाएंगे। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस को संबंधित अधिकारी के तौर पर काम करने का काम शामिल करने के लिए नोटिफिकेशन जारी की जाए।

ओबीसी प्रमाणपत्र की शिकायत मनोज जरांगे तक पहुंची

■ उप महापौर समेत कई उम्मीदवारों पर फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर चुनाव लड़ने का आरोप

भिवंडी. जनवरी माह में सम्पन्न हुए भिवंडी मनपा चुनाव में कथित ओबीसी फर्जी प्रमाणपत्र का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है.मनपा पूर्व नगरसेवक हाजी इस्माइल रंगरेंज मिर्ची द्वारा मामले की शिकायत प्रमुख ओबीसी नेता मनोज जरांगे से करते हुए मदद की अपील के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है.

गौरतलब हो कि,पूर्व नगरसेवक हाजी इस्माइल रंगरेज उर्फ मिर्ची ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मन चुनाव के दौरान कई उम्मीदवारों ने कथित रूप से फर्जी ओबीसी प्रमाणपत्र के आधार पर चुनाव लड़ा

जिसमें भिवंडी मनपा उप महापौर तारिक बारी मोमिन का नाम प्रमुख रूप से शामिल है.उनका कहना है कि यह मामला आरक्षण व्यवस्था के साथ सीधा धोखा है और वास्तविक हकदारों के अधिकारों का हनन किया गया है. आरोप है कि यदि फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर चुनाव लड़ने की बात सही पाई जाती है, तो यह न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है.सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में दस्तावेज और शिकायतें एकत्र कर संबंधित नेतृत्व व कोंकण विभागीय आयुक्त तक पहुंचाई गई हैं.

शहर के सियासी हलकों में इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हैं और विपक्षी गुट भी इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी में जुट गए हैं. यदि आरोपों की पुष्टि होती है, तो संबंधित उम्मीदवारों पर कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ उनकी सदस्यता पर रद्द होने के आसार हैं. ओबीसी फायर ब्रांड नेता मनोज जरांगे ने प्रमाणपत्र की सच्चाई तलाश कर उचित कार्यवाही में सहयोग का भरोसा इस्माइल मिर्ची को दिया है. देखना दिलचस्प होगा कि,आगामी दिनों में ओबीसी विवाद भिवंडी की राजनीति में बड़ा मोड़ ला सकता है.

17 अप्रैल से क्रेडाई-एमसीएचआई का प्रॉपर्टी एग्ज़िबिशन

■ बालकुम में 'दोस्ती वेस्ट काउंटी' में एक बड़ा इवेंट

ठाणे. 'क्रेडाई-एमसीएचआई, ठाणे', जो पिछले 22 सालों से ठाणे शहर में लोगों को घर और कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आकर्षक ऑप्शन और डिस्काउंट दे रहा है, 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक 'एमसीएचआई है तो भरोसा है' टैगलाइन के साथ एक बड़ा प्रॉपर्टी एग्ज़िबिशन लगाएगा। ठाणे वेस्ट के बालकुम में 'दोस्ती वेस्ट काउंटी' में सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक होने वाली एग्ज़िबिशन में, कस्टमर सैकड़ों हाउसिंग और कमर्शियल प्रोजेक्ट में से अपनी पसंदीदा प्रॉपर्टी चुन सकेंगे। इस एग्ज़िबिशन में लोन देने के लिए मशहूर बैंकों और प्राइवेट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के बूथ होंगे।

'क्रेडाई-एमसीएचआई, ठाणे' के चेयरमैन सचिन मिरानी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। इस मौके पर 'CREDAI-MCHI, ठाणे' के पुराने प्रेसिडेंट जितेंद्र मेहता, 'CREDAI-MCHI, ठाणे' के चुने हुए प्रेसिडेंट गौरव शर्मा, सेक्रेटरी फैयाज विरानी, प्रॉपर्टी एग्जीबिशन कमिटी के चेयरमैन विभव बोरकर, खाजिदर जय वोरा, 'CREDAI-MCHI, ठाणे' की यूथ ब्रांच के प्रेसिडेंट निमित मेहता, वगैरह के साथ-साथ

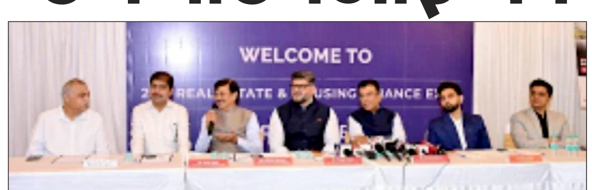

ऑफिस बेयरर्स और जाने-माने मेंबर्स मौजूद थे।

'CREDAI-MCHI, ठाणे' ऑर्गनाइजेशन ने ठाणे शहर के डेवलपमेंट और लोगों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए 22 सालों में एग्जीबिशन के ज़रिए कई प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स दिखाए हैं। इससे हज़ारों परिवारों के सपनों के घर सच हुए हैं। हज़ारों बिजनेसमैन कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीद पाए हैं। इसलिए, ठाणे के लोग भरोसा जता रहे हैं कि 'MCHI ही वह है जिस पर उन्हें भरोसा है'। प्रेसिडेंट सचिन मिरानी ने खुशी जताते हुए कहा कि हम ठाणे के लोगों के भरोसे के लायक बने हैं। उन्होंने आगे कहा, ``ठाणे शहर में रियल एस्टेट का बिज़नेस तेज़ी से बढ़ रहा है, और नए और मॉडर्न लाइफस्टाइल वाले हाउसिंग प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं। खास तौर पर बहुत सारी कमर्शियल प्रॉपर्टीज़ हैं। 17 अप्रैल से शुरू हो रही एग्ज़िबिशन के ज़रिए लोगों को एक ही जगह पर नए ज़माने के घरों और कमर्शियल प्रॉपर्टीज़ की जानकारी मिलेगी। एग्ज़िबिशन में रियल एस्टेट और सरकारी पॉलिसीज़ में नए ऑप्शन और होम डेकोरेशन और इंटीरियर डिज़ाइन की जानकारी भी मिलेगी। जैसे-जैसे शहर डेवलप हो रहा है, इन्वेस्टर्स के लिए प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का शानदार मौका है। अब तक इन्वेस्टर्स को अच्छा रिटर्न भी मिला है। इसलिए कस्टमर्स के साथ-साथ इन्वेस्टर्स को भी प्रॉपर्टी एग्ज़िबिशन ज़रूर देखनी चाहिए।

देश के जाने-माने 'रियल एस्टेट डेवलपर्स' के ठाणे में चल रहे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ, लोग एक ही जगह पर होम लोन के लिए अलग-अलग बैंकों और प्राइवेट फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के रिप्रेजेंटेटिव से कॉन्टैक्ट कर सकेंगे। इस एग्ज़िबिशन में परिवार और अलग-अलग टॉपिक पर जानकारी देने वाले प्रोग्राम रखे गए हैं। साथ ही, प्रोग्राम के ज़रिए 'महारेरा' एक्ट के प्रोविज़न के बारे में भी जानकारी दी जाएगी, ऐसा प्रेसिडेंट सचिन मिरानी ने कहा। जो लोग मॉडर्न लाइफस्टाइल पसंद करते हैं, उनके पास ठाणे के कई मशहूर हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में घरों का ऑप्शन भी होगा। प्रेसिडेंट सचिन मिरानी ने भरोसा जताया कि एग्ज़िबिशन देखने आने वाला हर नागरिक खुश होगा।

मुंबई एयरपोर्ट में 38 करोड़ का 30 किलो सोना जब्त

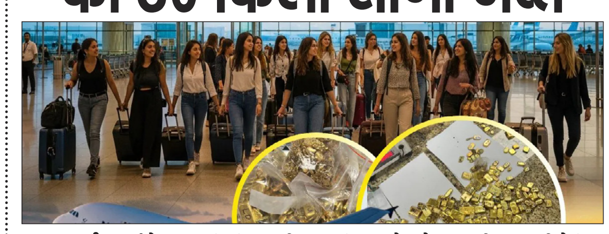

मुंबई. मुंबई के छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हाल ही में DRI ने सोने की तस्करी करते हुए गिरोह का पर्दाफाश किया है. इस गिरोह में 24 महिलाएं थीं जो करीब 38 करोड़ रुपये के सोने की तस्करी करती हुई पकड़ी गई हैं. ये सभी महिला स्मगलर्स केन्या की बताई जा रही हैं. निदेशालय को इसकी सूचना मिली थी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई कर इन महिला तस्करो को हिरासत में लिया गया है. गुप्त सूचना के आधार पर DRI ने कार्रवाई कर इन महिला तस्करों को पकड़ा है. राजस्व खुफिया निदेशालय ने ऑपरेशन धहाबू ब्लिट्ज चलाकर इस गिरोह का भंडाफोड़ किया. इस कार्रवाई में गिरोह से 37.74 करोड़ रुपये कीमत का 29.37 किलो सोना जब्त किया है. जिसमें 25.10 किलोग्राम सोने की छड़ें और 4.27 किलोग्राम सोने के गहने बरामद किए हैं. इसे लेकर वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर बताया कि इस ऑपरेशन में 24 महिला तस्करों को भी हिरासत में लिया गया है.

कहां छुपा रखा था सोना?

सूत्रों ने बताया है कि इन महिलाओं को अच्छी- खासी ट्रेनिंग मिली हुई थी. इन्होंने तस्करी वाला सोना जूतों, कपड़ों के अंदर और शरीर पर विशेष रूप से बनाए गए पाउच में छिपाया था. इससे पता चलता है कि इनको पूरी तरह से ट्रेन्ड किया गया था. इस बारे में DRI के अधिकारी ने भी बताया है.

डीआरआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को दी जानकारी में बताया कि, 'महिलाओं को सोना छुपाने और जांच से बचने के लिए प्रशिक्षण दिया गया था, जिससे पता चलता है कि एक सुनियोजित गिरोह हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देने के लिए ऐसे लोगों का इस्तेमाल कर रहा था. इन महिलाओं को अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि गिरोह के सरगनाओं को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है.'

बता दें कि ये कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी जिसके बाद अब भी जांच जारी है. निदेशालय का मानना है कि ये गिरोह केवल इतने में ही सिमटा हुआ नहीं है, बल्कि ये एक बड़ा नेटवर्क है. जिसका जल्दी से जल्दी भंडाफोड़ करना जरूरी है.

मरीज़ों के साथ अच्छा का बर्ताव करना ही महात्मा फुले को सच्ची श्रद्धांजलि है - डॉ. कैलाश पवार

ठाणे. स्वास्थ्य विभाग में काम करते हुए, हर मरीज़ के साथ बराबरी का बर्ताव करना और समाज के सभी लेवल पर स्वास्थ्य सेवा देना ही महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों को सही मायने में लागू करना है यह सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा।वह महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर ठाणे जिला सिविल अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम पर बोल रहे थे।कार्यक्रम की

शुरुआत में महात्मा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया और उन्हें विनम्र अभिवादन किया गया।इस मौके पर गाइड करते हुए डॉ. पवार ने सामाजिक बदलाव में महात्मा फुले के योगदान का रिव्यू किया। उन्होंने कहा कि ₹महिलाओं की शिक्षा, किसानों के अधिकार और सामाजिक बराबरी के लिए फुले का काम आज भी सभी के लिए प्रेरणा देने वाला है। समाज में अज्ञानता, असमानता और अन्याय को खत्म करने के लिए शिक्षा सबसे असरदार हथियार है और उनके विचार आज भी समाज को सही दिशा दे रहे हैं।इस अवसर पर अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, डॉ. अर्चना पवार, डॉ. विश्वास वासनिक, प्रतिभा बर्डे, विनोद जोशी, नर्स और स्टाफ बड़ी संख्या में मौजूद थे। महात्मा फुले के काम से प्रेरणा लेते हुए, सभी मौजूद लोगों ने समाज सेवा और मरीज़ों की देखभाल के लिए हमेशा समर्पित रहने का अपना पक्का इरादा जताया।

बस में चढ़ते समय वृद्धा का सोने का कंगन चोरी

ठाणे. रेलवे स्टेशन और लोकल ट्रेनों से सफ़र करने वाले यात्रियों का सामान जहाँ असुरक्षित है, वहीं यह बात सामने आ रही है कि रेलवे के बाद शहरी इलाके में बस स्टॉप पर बस का इंतज़ार कर रहे यात्रियों को भी चोरों ने निशाना बनाया है। यह घटना माजीवाड़ा बस स्टेशन पर सामने आई। उस समय हड़कंप मच गया जब चोरों ने एक 66 साल की बुज़ुर्ग महिला का सोने का कंगन गायब कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस बारे में चितलसर पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के ख़िलाफ़ केस दर्ज किया गया है।माजीवाड़ा बस स्टेशन पर बस में चढ़ते समय दादलानी पार्क की रहने वाली 66 साल की प्रेमलता ठक्कर का सोने का कंगन चोरी हो गया। 6 अप्रैल को रात करीब 8 बजे जब वह बस नंबर 490 में चढ़ रही थीं, तो चोर ने उन्हें धक्का देकर उनके दाहिने हाथ से करीब 1 लाख रुपये का कंगन छीन लिया। घर लौटने के बाद उन्होंने अपने पति और बेटे को घटना की जानकारी दी.

प्रियंका चोपड़ा ने गोल्डन टेंपल में माथा टेका

■ लंगर हॉल में जूठे बर्तन मांजे,

■ अमृतसर में शूटिंग कर रहीं थी

■ 12 दिन में दूसरी बार आईं

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल पहुंचीं। यहां उन्होंने दरबार साहिब में माथा टेका। इसके बाद वह लंगर हॉल में गईं, जहां उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक बर्तन धोने की सेवा की। साथ ही लंगर के अन्य कामों में भी सहयोग किया।

प्रियंका चोपड़ा पिछले कुछ दिनों से अमृतसर में अपनी आने वाली फिल्म 'अमरी' की शूटिंग कर रही थीं। बीती रात उनकी शूटिंग पूरी हुई और काम खत्म होते ही वह सीधे गोल्डन टेंपल पहुंच गईं। वह व्हाइट कलर का शूट पहने नजर आईं। उनका सिर दुपट्टे से ढंका हुआ रहा। प्रियंका चोपड़ा आम श्रद्धालु की तरह यहां रही। हालांकि उन्होंने मीडिया से बात नहीं की।

यह 12 दिन के भीतर उनकी दूसरी यात्रा है। इससे पहले वह 31 मार्च को भी यहां आई थीं और उस समय भी उन्होंने लंगर हॉल में सेवा की थी।

उत्तर प्रदेश के बरेली में जन्मीं प्रियंका चोपड़ा ने बचपन में कभी रंगभेद का सामना किया, तो कभी तानों से बचने के लिए बाथरूम में छिपकर खाना खाया। इन सबके बावजूद उन्होंने महज 18 साल की उम्र में 90 देशों की खूबसूरत कंटेस्टेंट्स को पीछे कर 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया।

मिस वर्ल्ड जीतने के बाद प्रियंका ने पहले तमिल सिनेमा में एंट्री ली और फिर बॉलीवुड में। प्रियंका ने लगातार ऐतराज, कृष, फैशन, डॉन 2, अग्निपथ जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम करते हुए खुद को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस के बीच ला खड़ा किया, लेकिन फिर 2015 के बाद उन्होंने अचानक इंडस्ट्री छोड़ दी।

सालों बाद प्रियंका ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन्होंने अपनी मर्जी से बॉलीवुड इंडस्ट्री से दूरी नहीं बनाई थी, बल्कि उन्हें कॉर्नर किया गया था। उन्हें मनमुताबिक काम नहीं दिया जा रहा था और वो लगातार होती पॉलिटिक्स से थक चुकी थीं। फिल्में मिलनी बंद हुईं तो प्रियंका की मां ने उनसे कहा था- तुम्हें कमाई का कोई दूसरा जरिया ढूंढना चाहिए।

महिला ड्रग्स पेडलर गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई की बांद्रा पुलिस स्टेशन ने 24 वर्षीय एक महिला ड्रग्स पेडलर को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। बांद्रा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

आरोपी महिला की पहचान तबस्सुम बशीर मोहमद गणी के रूप में हुई है। महिला को कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पुलिस अब ये जांच कर रही है की आखिर 24 वर्षीय महिला को ड्रग्स कहा से मिला और किसे सप्लाई करने वाली थी।

बांद्रा पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के मुताबिक, इलाके में गश्त करते समय बांद्रा के लालमिठी झुग्गी बस्ती के सामने यू ब्रिज पर पहुंचे और पुलिस ने एक महिला को खड़ा पाया। महिला के हाथ में एक काले प्लास्टिक बैग था। पुलिस ने महिला को रुकने के लिए कहा, तब महिला ने पुलिस

को देखकर भागने की कोशिश की।

महिला को भागते देख पुलिस ने उसको भागकर पकड़ा। महिला से उसका नाम और पता पूछा तो उसने बताया कि उसका नाम तबस्सुम बशीर मोहम्मद गनी है और बांद्रा पश्चिम में रहती है।

पुलिस ने महिला से उससे पूछा कि उसके पास प्लास्टिक बैग में क्या है, तो उसने अस्पष्ट और असंतोषजनक जवाब दिया। उसी समय, हमने देखा कि काले प्लास्टिक बैग से नशीले पदार्थों की तेज गंध आ रही थी। जब पुलिस ने उसकी तलाश की तो उसके बैग से गांजा ड्रग्स बरामद किया।

बांद्रा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया।

एक अन्य मामले में मुंबई में जरूरी चीजों की कालाबाजारी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग ने एलपीजी सिलेंडरों को गैर-कानूनी तरीके से रखने और लाने-ले जाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कुल 451 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए।

अधिकारियों ने बताया कि डोंगरी के वाडी बंदर इलाके में चलाए गए इस अभियान के दौरान, 40 लाख रुपये से ज्यादा का सामान जब्त किया गया और आठ गाड़ियों को रोका गया।

अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई राशनिंग कंट्रोलर और सिविल सप्लाई डायरेक्टर को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए, तुरंत खास निर्देश जारी किए गए, जिसके बाद विभाग की 'फ्लाइंग स्क्वाड' ने एक सुनियोजित अभियान शुरू किया।

अधिकारियों ने डोंगरी में वाडी बंदर पुल के पास की गई इस छापेमारी के दौरान आठ गाड़ियों को रोका जो गैर-कानूनी तरीके से गैस सिलेंडर ले जा रही थीं। इन गाड़ियों की जांच करने पर कुल 451 एलपीजी सिलेंडर बरामद हुए।

हिप-हॉप कार्यक्रम के दौरान एमबीए छात्र पर चाकू से हमला

मुंबई. मुंबई में शनिवार को एक हिप-हॉप और युवा संस्कृति उत्सव के दौरान चाकू से हमला किए जाने के कारण एमबीए का एक छात्र घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स क्षेत्र स्थित एमएमआरडीए मैदान में हुई।

पुलिस ने बताया कि सियोन इलाके के निवासी छात्र पर कार्यक्रम स्थल पर एक अज्ञात व्यक्ति ने धारदार वस्तु से हमला किया। छात्र को चिकित्सा उपचार प्रदान किया गया और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। बाद में छात्र ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसकी चोट मामूली है और पुलिस मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

कमरे का प्लास्टर गिरा

■ दो घायल, लड़की को मामूली चोटें आईं

ठाणे. मुंबई के देवलीपाड़ा इलाके में तांबेवाड़ी चालीस में एक कमरे का प्लास्टर गिरने से सीलिंग फैन गिर गया, जिससे दो लोग घायल हो गए।

ठाणे डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट ने बताया है कि घायल लड़की को मामूली चोटें आईं और घायलों को इलाज के लिए कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल ले जाया गया। उनका इलाज चल रहा है।रविवार सुबह, मुंब्रा के देवलीपाड़ा में टोल प्लाजा के पास तांबेवाड़ी चालीस में एक 1-मंज़िला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर एक कमरे का प्लास्टर अचानक गिर गया, जिससे सीलिंग फैन गिर गया। उस समय कमरे में सो रहे दो लोग घायल हो गए।इस घटना में, आसिफ खान (32) के सिर में चोट आई और तीन साल की अस्मा खान के पैर में मामूली चोटें आईं। दोनों को तुरंत कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ डॉक्टरों ने बताया कि उनका इलाज शुरू किया जाएगा।

आम सूचना

मैं श्री रमेश किशनचंद गोकलानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. जी-4, ग्राऊंड फ्लोर, गुरुनानक निवास, प्लाट नं. 705, यू नं. 38, शीट नं. 61, सेक्शन 7-बी, राधा सोसायटी के सामने, उल्हासनगर-3. (टैक्स नं. 39डीओ020544400) उक्त प्रॉपर्टी श्री गोप नारायणदास जेठानी के नाम पर है। मैंने श्री हिरानंद बालचंद झामनानी से सेल एग्रीमेंट दि. 17.2.2011 सी.नं. 2885 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री रमेश किशनचंद गोकलानी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099